

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोन:- 2200660 फैंक्स : 0151-2527371 वर्ष: 47 संख्या: 87 प्रभाव बीकानेर, रविवार 19 अक्टूबर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

‘पाकिस्तान एक शांतिप्रिय देश है’

–डॉ. सतीश मिश्रा–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहते हुए पाकिस्तान को चेतावनी दे डाली कि ब्रहोस मिसाइल की रेंज में पाकिस्तान की एक-एक इंच ज़मीन आ चुकी है। इसके जवाब में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने भी किसी भी उकसावे पर “निर्णायक जवाब” देने की चेतावनी दे दी। इस

- पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष सैयद आसिम मुनीर ने साथ में यह भी कहा कि पाकिस्तान के, विश्व की दो ताकतों, चीन व अमेरिका से मजबूत संबंध हैं।
- “अगर भारत-अफगानिस्तान को उकसाता रहा तो पाकिस्तान करारा जवाब देगा।”

ज़बानी लड़ाई में दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। पाकिस्तान सैन्य अकादमी, काकुल (एबटाबाद) में कैडेट्स की पासिंग आउट परेड में बोलते हुए जनरल मुनीर ने कहा, “मैं भारत के सैन्य नेतृत्व को सलाह, बल्कि सख्त चेतावनी देता हूँ कि परमाणु हथियारों वाले माहौल में युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है।” उन्होंने कहा, “हम किसी भी (शेष पृष्ठ 5 पर)

सिंगर जुबीन की मौत के बारे में गलत सूचना फैलाने वाला युवक गिरफ्तार

असम में युवक द्वारा भ्रामक वीडियो फेसबुक पर अपलोड करने से अशांति भड़कने की आशंका थी।

गुवाहाटी, 18 अक्टूबर। असम के नागांव जिले में पुलिस ने प्रसिद्ध कलाकार जुबीन गर्ग की मौत से संबंधित एक भ्रामक वीडियो बनाने और उसे प्रसारित करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कहा कि फेसबुक पर अपलोड किए गए इस वीडियो से जन अशांति भड़कने की आशंका थी।

नागांव के पुलिस अधीक्षक स्वप्नलील डेका ने गिरफ्तारी की पुष्टि की और बताया कि आरोपी की पहचान इंजामुल हक के रूप में हुयी है, जो “एसके अहमद” नाम से फेसबुक पर प्रोफाइल चलाता था। उन्होंने कहा कि लोगों का ध्यान आकर्षित करने और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सनसनीखेज

चिराग पासवान ने अमित शाह से मुलाकात की

पटना, 18 अक्टूबर। केन्द्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने महागठबंधन पर हमला करते हुये शनिवार को कहा कि सत्ता की भूख से बने महागठबंधन के पास बिहार के लिये कोई विजन नहीं है।

पासवान ने आज यहां केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह के साथ हुई मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि एक तरफ राजग चट्टान की तरह एकजुट है, जबकि दूसरी तरफ, महागठबंधन अभी भी अपने घटकों के बीच सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए संघर्ष कर रहा है। पासवान ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों के लिए राजग ने अपने घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को पहले ही अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने कहा कि राजग के घटकों द्वारा उम्मीदवारों की सूची भी औपचारिक रूप से जारी कर दी गई है, जबकि महागठबंधन अभी भी अपने घटकों के बीच सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए संघर्ष कर रहा है।

अंततोगत्वा “टाको” ट्रंप अपनी प्रतिष्ठा पर खरे उतरे

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में ट्रंप को टाको बेवजह नहीं कहते। टाको का अर्थ है, “ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट”, क्योंकि ट्रंप अपनी धमकियों से पीछे हट जाया करते हैं

–अंजन रॉय–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। यूक्रेन युद्ध अब अपने अंत के करीब लगाता है, हालांकि यह अंत शायद यूक्रेन, यूरोपीय संघ या अमेरिका की शर्तों पर नहीं, बल्कि रूस की शर्तों पर हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी उसी छवि को साकार कर दिया है, जिसे लोग “ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट” या “टाको” कहते हैं। यानि, ट्रंप अपनी धमकियों से हमेशा पीछे हट जाते हैं। वाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यह साफ कर दिया कि अमेरिका यूक्रेन को अमेरिकी निर्मित “टॉमाहॉक मिसाइलें” नहीं देगा। यूक्रेन के लिए जो ऊँची उम्मीदें बंधी थीं, वे उस समय धराशायी हो गईं जब ट्रंप और ज़ेलेंस्की की द्विपक्षीय बैठक के बाद यह स्पष्ट बयान आया कि अमेरिका द्वारा बनाई गई “टॉमाहॉक” मिसाइलें, यूक्रेन को रूस के खिलाफ उसके लंबी दूरी के हमलों के लिए नहीं दी जाएंगी।

इससे पहले डॉनल्ड ट्रंप ने बडे़-बडे़ दावे किए थे कि वे यूक्रेन को अत्यंत सटीक और विनाशकारी टॉमाहॉक मिसाइलें देंगे ताकि वह रूस के साथ

- वाइट हाउस में ज़ैलेन्स्की से लंबी मुलाकात के बाद ट्रंप ने साफ कह दिया कि टॉमाहॉक मिसाइल यूक्रेन को नहीं दी जायेगी, रूस के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए।
- कल तक ट्रंप दभपूर्वक कह रहे थे, वे यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइल देंगे, जिससे युद्ध में यूक्रेन, रूस को पानी पिला देगा।
- अगर टॉमाहॉक यूक्रेन को दी गईं तो रूस हर मुद्दे पर कमर कस के लड़ेगा।
- चेतावनी का असर हुआ और ट्रंप “चिकन आउट हुए” (पीछे हट गए)।

अपनी लंबी दूरी की लड़ाई जारी रख सके। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हैगसेथ ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि अगर रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म नहीं किया, तो अमेरिका समान स्तर पर युद्ध लड़ने के लिए यूक्रेन को “मारक क्षमता” उपलब्ध कराएगा। असल में, यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइलें मिलने की चर्चा ने रूस के सुरक्षा तंत्र में भय का माहौल पैदा कर दिया था। इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइलें देता है,

तो अमेरिका और रूस के रिश्ते बुरी तरह प्रभावित होंगे।

रूस ने यह भी धमकी दी थी कि वह यूक्रेन के खिलाफ अपने सैन्य अभियान और तेज करेगा और अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी बाधाएं पैदा करेगा। संकेत थे कि यूरोपीय संघ को भी जवाबी कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा। कुछ मिलाकर, इसका अर्थ यह होता कि अमेरिका को भी सीधे टकराव का सामना करना पड़ेगा। यह सब सुनने के बाद ट्रंप डर गए और तुरंत अपना रुख बदल लिया। (शेष पृष्ठ 5 पर)

■ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

का मानना है कि यह संख्या बढ़ कर 10 भी हो सकती है। पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने आज यहां कहा कि बिहार चुनाव के परिणामों के बाद झामुमो अपनी रणनीति की समीक्षा करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि बिहार में उसकी बिना सरकार न बन सके। भट्टाचार्य ने इस फैसले का कारण बताते हुए कहा कि झामुमो को हमेशा से धोखे का सामना करना पड़ा है।

■ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

‘कांग्रेस में जीएसटी पर बोलने वालों को शिक्षित किए जाने की जरूरत’ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी व्यवस्था में किये गए सुधारों को सही दिशा में लौटने वाला कदम बताने जैसी कांग्रेस की टिप्पणियों पर तीखी आलोचना की।

नयी दिल्ली , 18 अक्टूबर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में हाल में किये गए सुधारों को सही दिशा में लौटने वाला कदम बताने जैसी विपक्षी कांग्रेस पार्टी की टिप्पणियों को लेकर उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस में जीएसटी पर बोलने वालों को शिक्षित किए जाने की जरूरत है। सीतारमण ने जीएसटी में सुधार के प्रभाव पर विशेष रूप से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं जिसमें उनके साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण, रेल तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (मेइटी) मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी थे।

सीतारण ने कहा, मेरा ईमानदारी से यह सुझाव है कि कांग्रेस पार्टी की ओर से जीएसटी पर जो भी बोलता है, उसे कुछ पूर्व वित्त मंत्रियों के साथ बिठा कर टिप्पणी करने से पहले उन्हें शिक्षित करना चाहिए।” उनसे पूछा गया था कि कांग्रेस पार्टी जीएसटी सुधारों को सही राह पर लौटने वाला कदम बता रही है

और वह इस बात की जवाबदेही भी चाहती है कि इतने समय तक लोगों को जीएसटी के ऊंचे बोझ के नीचे क्यों रखा गया। सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस की ओर से बोलने वालों को न जाने कौन सिखाता-पढ़ा ता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी की राह मोदी सरकार ने ही निर्धारित की थी और सात-आठ साल के अंदर ही सरकार ने जनता और पूरी अर्थव्यवस्था के फायदे के लिए अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अब और सुधार किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार का कर कम करने का कोई कदम कोर्स करेक्शन (सही दिशा में लौटना) नहीं होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के जमाने में उन्होंने इसकी कोशिश भी नहीं की थी। वित्त मंत्री ने कहा, मेरा मानना है कि जीएसटी में कमी लोगों के हित में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमें यही करने के लिए कह रहे हैं। सात साल, आठ

- उन्होंने कहा कि जीएसटी की राह मोदी सरकार ने ही निर्धारित की थी और सात-आठ साल के अंदर ही सरकार ने जनता और पूरी अर्थव्यवस्था के फायदे के लिए अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अब और सुधार किया है।
- सीतारमण ने जीएसटी में सुधार के प्रभाव पर विशेष रूप से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।
- उन्होंने जीएसटी में कटौती को अमेरिकी शुल्क नीति या बिहार चुनाव से जोड़ने की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं तो चुनाव लगा ही रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने –“एक देश, एक चुनाव” का प्रस्ताव रखा। उससे इस तरह के सवालों से बचा जा सकता है। वित्त मंत्री ने कहा, चुनाव आते-जाते रहते हैं। हालाँकि, चुनाव किसी भी नीति पर असर डाल सकते हैं,

साल के भीतर, कर की दर कम करने का कोई विकल्प सामने आ रहा है। तो यह कोई सही रास्ते पर लौटने जैसी बात नहीं है। उन्होंने जीएसटी में कटौती को अमेरिकी शुल्क नीति या बिहार चुनाव से जोड़ने की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं तो चुनाव लगा ही रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने –“एक देश, एक चुनाव” का प्रस्ताव रखा। उससे इस तरह के सवालों से बचा जा सकता है। वित्त मंत्री ने कहा, चुनाव आते-जाते रहते हैं। हालाँकि, चुनाव किसी भी नीति पर असर डाल सकते हैं,

कांग्रेस 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में राजद और अन्य छोटी पार्टियों के साथ बने महागठबंधन

■ तेजस्वी महागठबंधन का चेहरा घोषित।

के तहत 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार, लालू प्रसाद यादव के पुत्र और राजद नेता तेजस्वी यादव गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है, जब शुक्रवार को महागठबंधन की (शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली के सांसद फ्लैट्स में आग

– जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। राजधानी दिल्ली में सांसदों को आंवटित नए बहुमंजिला फ्लैट्स में शुक्रवार दोपहर आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा

■ हाल ही में बने इस ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट में कुछ सांसद रह रहे हैं।

ली गईं वीडियो में सांसदों के फ्लैट्स वाले ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट्स से घना धुआँ उठता हुआ दिखाई दिया। फायर विभाग के एक अधिकारी ने (शेष पृष्ठ 5 पर)

लखनऊ, 18 अक्टूबर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रहोस की जद में है। जो भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, वो ब्रहोस से क्या कर सकता है, वे बताने की जरूरत नहीं है। बता दें कि रक्षा मंत्री ने ये बात ब्रहोस मिसाइल फ्लैग ऑफ़ सेरेमनी में कही।

राजनाथ सिंह इस दौरान ब्रहोस की क्षमता और उसकी विश्वसनीयता पर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब ब्रहोस की चर्चा होती है, तो सभी के जहन में विश्वसनीयता का अहसास होता है। ब्रहोस सिर्फ़ मिसाइल नहीं बल्कि भारत की क्षमता का प्रतीक है। यह मिसाइल

बिहार में मुसलमानों का राजनीतिक महत्व क्यों घटता जा रहा है?

प्रदेश में 17.7 प्रतिशत जनसंख्या मुसलमानों की है, इस बार आरजेडी ने तीन मुसलमानों को, जदयू ने चार व कांग्रेस ने भी चार मुसलमानों को टिकट दिया है

–श्रीनंद झा–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। बिहार के मुसलमान मतदाताओं के सामने एक गहरी दुविधा खड़ी है – राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में समुदाय राजनीतिक प्रक्रिया से लगभग अलग-थलग हो गया है। राज्य की कुल जनसंख्या में मुसलमानों की हिस्सेदारी 17.7 प्रतिशत है और 87 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 20 प्रतिशत मतदाता मुस्लिम हैं। उत्तर बिहार के सीमांचल ज़िलों में इनकी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक है। कुछ क्षेत्रों, जैसे किशनगंज में, मुस्लिम आबादी 67 प्रतिशत तक है। इसके बावजूद, मुसलमानों की राजनीतिक प्रासंगिकता में गिरावट जारी है और आने वाले चुनावों में यह अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है।

243 सदस्यीय विधानसभा की 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही सत्तारूढ़ जदयू ने केवल चार मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। राजद (आरजेडी) ने अब तक तीन मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि पार्टी की अंतिम सूची

- सत्तासीरी सीटों पर मुसलमान मतदाता 20 प्रतिशत हैं। सीमांचल जिलों में तो जनसंख्या 40 प्रतिशत है और कहीं-कहीं तो 67 प्रतिशत है।
- राजनीतिक महत्व कम होने का मुख्य कारण वोटों का विभाजन है।
- वर्ष 2010 व 2015 के चुनावों में मुसलमानों ने वोट जदयू को दिये थे। पर, वर्ष 2020 में जदयू के सभी मुसलमान कैंडिडेट हार गए थे। असदुद्दीन ओवैसी के पाँच उम्मीदवार जीते थे, जिनमें से चार जीतने के बाद आरजेडी में शामिल हो गए।

अभी जारी नहीं हुई है। एनडीए की अन्य दो सहयोगी पार्टियाँ, जीतन राम मांझी की हम (सेक्युलर) और उषेंद्र कुशवाहा की आरएलएम छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन इनमें से किसी ने भी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है। कांग्रेस, जो आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रबल समर्थक रही है, ने भी केवल चार मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है (अंतिम सूची आने के बाद इन आँकड़ों में कुछ बदलाव

संभव है)। वहीं, भाजपा ने 101 सीटों की अपनी सूची में किसी भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया है। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो बिहार के मुसलमान चुनावी रूप से हमेशा कम प्रतिनिधित्व वाले रहे हैं। वर्ष 1985 को छोड़कर कभी भी विधानसभा में मुस्लिम विधायकों की संख्या 10 प्रतिशत से अधिक नहीं रही। वर्ष 1952 से 2020 तक हुए 17 विधानसभा चुनावों में बिहार ने कुल (शेष पृष्ठ 5 पर)

पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की जद में : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल फ्लैग ऑफ़ सेरेमनी में पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी

- राजनाथ सिंह ने कहा कि जब ब्रहोस की चर्चा होती है, तो सभी के जहन में विश्वसनीयता का अहसास होता है। ब्रहोस सिर्फ़ मिसाइल नहीं बल्कि भारत की क्षमता का प्रतीक है। यह मिसाइल भारतीय वायुसेना, नेवी और थल सेना की रीढ़ है।
- राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रहोस ने अपनी ताकत का प्रैक्टिकल करके दिखाया है। हमारे विरोधी अब ब्रहोस से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ़ एक ट्रैलर था।

भारतीय वायुसेना, नेवी और थल सेना की रीढ़ है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रहोस ने अपनी ताकत का प्रैक्टिकल करके दिखाया है। हमारे

विरोधी अब ब्रहोस से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ़ एक ट्रैलर था। बता दें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

शनिवार को लखनऊ में ब्रहोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रहोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने ब्रहोस की क्षमता का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को सख्त चेतावनी दे डाली। बता दें कि ब्रहोस मिसाइलें न केवल उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) के लिए एक उपलब्धि है, बल्कि इससे रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प को एक नयी ऊर्जा भी मिलेगी। राजनाथ सिंह ने कहा, “मेरी लिए ये अत्यंत गौरव का विषय है आज लखनऊ में ब्रहोस स्टेट ऑफ़ आर्ट वूस्टर इमारत का उद्घाटन हो रहा है। आज का दिन यूपी और लखनऊ के लिए भी बहुत ही महत्वपूर्ण है।

54 साल बाद खोला गया बांके बिहारी मंदिर का खजाना

मथुरा, 18 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद मथुरा के वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर का खजाना शनिवार को 54 साल बाद खोला गया।

जिला प्रशासन द्वारा गठित उच्च अधिकार प्राप्त समिति के नेतृत्व में खजाना खोला गया लेकिन खजाने में कोई भी कीमती सामान नहीं मिला है। कई घंटों तक खजाने के लिए तहखाने में काफी खोजबीन की गई। खोजबीन में अभी तक सिर्फ़ दो बक्से मिले हैं। दोपहर एक बजे खजाना खोला गया और पांच बजे तक खजाने को बंद कर दिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सिविल जज जुनियर डिवीजन और सेवायतों के साथ मिलकर तहखाना खोला था, फिलहाल तहखाने को फिर से बंद कर दिया गया है और अब आगे कब खोला जाएगा ये अभी बताना मुश्किल है। कुछ बक्से मिले हैं बाकी कोई बहुत कीमती सामान नहीं मिला है। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार यह खजाना 160 साल पुराना बताया जा रहा है। इसे अब से पहले 1971 में खोला गया था उसके अब दीपावली से पहले शनिवार को धनतेरस वाले दिन खोला गया। खजाने के लिए तहखाने को खोलने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।